चेहरा खुशनुमा हो, खुशी चेहरे से झलके
भगवान् हमें पढ़ाते, यह नशा रहे
याद की यात्रा से ही विकर्म विनाश होते
सवेरे-सवेरे उठ याद करने से पुरानी दुनिया भूलोगे
ज्ञान के बातें बुद्धि में रहेंगी
मुख से कीचड़-पट्टी की बातें नही बोलनी
नष्टोमोहा बनना, मोह के रग तोड़नी
झरमुई, झगमुई, परचिन्तन नहीं करनी
बाप और टीचर को प्यार से याद करना
हम प्रकृतिजीत है, प्रकृति हमारी दासी है उसे ऑर्डर देना
सर्वशक्तियां आर्डर पर हाज़िर हो
संकल्प शक्ति ,निर्णय शक्ति और संस्कार शक्ति तीनॉ ऑर्डर प्रमाण हो
बापदादा के गुणों की गीत गाओ
तो स्वयं भी गुणमूर्त बन जाओगे

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!